

इकफाई किं किं मारखंड व यूजीसी की इनफिलबनेट के बीच समझौता ज्ञापन

रांची, 20 नवंबर 2013 <sup>(अंतिम)</sup>

प्रबंधन में पीएचडी कार्यक्रम के पाठ्यक्रम कार्य के द्वितीय सत्र का उद्घाटन स्कूल ऑफ आर्ट्स के प्रोफेसर डॉ. इराइयूरज जो कि आयुज के रिसर्च बोर्ड के सदस्य भी हैं, के द्वारा किया गया। 2013 बैच के पीएचडी शोधकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रो. इराइयूरज ने उन्हें अपने शोध क्षेत्र में पूरी तल्लीनता व लगन से कार्य करने की सलाह दी, जिससे की वे गुणवत्तायुक्त अनुसंधान प्रस्तुत कर सकें।

शोधकर्ताओं का स्वागत करते हुए प्रो. ओ. आर. एस. राव ने वि. वि. द्वारा 2012 बैच के तुलना में 2013 बैच के लिए किए गए विभिन्न सुधारों पर प्रकाश डाला। प्रो. राव ने यह भी कहा कि इकफाई किं किं मारखंड ने 'यूजीसी की इनफिलबनेट' के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है, जिससे की शोधकर्ता, भारत के विभिन्न किं किं से पीएचडी की डिग्री से सम्मानित हो चुके शोधकर्ताओं के अनुसंधान रिपोर्ट का उपयोग कर पायेंगे। यह इस समझौता के माध्यम से इकफाई किं किं अपने उन शोधकर्ताओं का शोध पर इनफिलबनेट के साथ साक्षात्कार लकेगा जो कि सफलतापूर्वक पीएचडी डिग्री से सम्मानित होंगे।

डॉ. के. के. नाग (वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार, फेडरेशन) ने शोधकर्ताओं को अपने अनुसंधान के लिए अपने जख में दृढ़ निश्चयी व सतत होने की सलाह दी।

डॉ. बी. एम. सिद्ध (कुलसचिव) ने उल्लेख किया कि पीएचडी शोधकर्ता देश के विभिन्न भागों से हैं और वर्तमान में सेल, वोडाफोन, रिलोयस इन्टर्नी, इंडस बैंक, टाटा डीकोमो आदि जैसे प्रतिष्ठित कंपनियों में वरिष्ठ भूमिकाओं में काम कर रहे हैं।

डॉ. एस. सी. स्वेन (कार्यक्रम समन्वयक) ने कहा कि शोधकर्ताओं के लिए सत्र, स्कूल ऑफ आर्ट्स, मारखंड पेंचूल किं किं, आईबीएस, सेल एमटीआर आदि जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिष्ठित शिद्दाविदों द्वारा लिखा जाता है।

प्रो. एस. प्रसाद (एसोसिएट डीन, स्कूल ऑफ आर्ट्स), प्रो. महन प्रसाद (एसोसिएट डीन, स्कूल ऑफ आर्ट्स), संकाय सदस्य, कर्मचारी गण व आमंत्रित मेहमानों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

